(ग) जी नहीं, श्रीमन् । विभिन्न स्थितियों में उपयुक्त गेहूं की 120 बेहतर उपज वाली किस्में तथा मक्का की 58 संकर तथा कम्पोजिट किस्में विकसित की गई हैं । इनके होने से देश में गेहूं तथा मक्का के उत्पादन में वृद्धि हुई है ।

विवरण

अखिल भारतीय समन्वित दाल सुधार प्रयोजना के अन्तर्गत केन्द्रों की सूची

क्रम सं०	केन्द्र की श्रेणी/स्थान
	मुख्य केन्द्र
1	वाराणसी (उ० प्र०)
2	लाम (आ० प्र०)
3	बदनापुर (महाराष्ट्र)
4	सिहोर (म०प्र०)
5	धरारी (उ०प्र०)
6	ढोली (बिहार)
7	लुधियाना (पंजाब)
8	हिसार (हरियाणा)
9	पन्तनगर (उ०प्र०)
10	बंगलौर (कर्नाटक)
11	गुलबर्ग (कर्नाटक)
12	दन्तीवाड़ा (गुजरात)
13	नवगांव (अलवर राजस्थान)
14	वम्बन (तमिलनाडु)
15	कोयम्बटूर (तमिलनाडु)
	उप-केन्द्र
16	सम्बा (जम्मू)
17.	जूनागढ़ (गुजरात)
18	पट्टम्बी (केरल)
19	शिलोनगनी (असम)
20	वरनगल/मधीरा (आ०प्र०)
21	रांची (बिहार)
22	अकोला (महाराष्ट्र)
23	बेरहमपुर (प० बं०)
24	रक्सगांव (म०प्र०)
25	ब्रहमपुर (उड़ीसा)
26	रायपुर (म०प्र०)
27	राहुडी (महाराष्ट्र)
28	जोबनेर/फतेहपुर (राजस्थान)
	बेमौसम नर्सरी
29	पालमपुर (हि० प्र०)
30	श्रीनगर (कश्मीर)
31	कथीलमेर (कर्नाटक)
	नये केन्द्र
32	दुर्गापुर जयपुर (राजस्थान)
33	फैजाबाद नरेन्द्र देव कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

गौतमपुरी, दिल्ली की सड़कों और गलियों के मध्य चौराहों का प्रावधान

1188. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक**
कुमार सुशीला तिरिया :

क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली की यमुना पार के क्षेत्र गौतमपुरी में ठेकेदारों और निगम प्राधिकारियों द्वारा सड़कों और गलियों के बीच किया जाने वाला चौराहों का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है जिससे उस कालोनी में रहने वालों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और ब्यौरों सहित इन चौराहों का निर्माण कब तक पूरा हो जाने की संभावना है, और

यदि निकट भविष्य में इनके पूरा होने की संभावना नहीं है, तो इसके क्या कारण हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) और (ख) 31-12-86 को कालोनी को दिल्ली नगर निगम को अन्तरित करने से पूर्व दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सड़कों, नालियों और स्ट्रीट क्रासिंग से संबंधित कार्य का 80 प्रति- स्ट्रीट क्रासिंग से संबंधित कार्य का 80 प्रति- निगम द्वारा यह कार्य पूर्ण किया जाएगा जो कि इस प्रयोजन के लिए प्रस्तावों को प्रतिपादित कर रहा है । दिल्ली नगर निगम द्वारा अपेक्षित औपचारिकतायें पूरी कर लेने के बाद शीघ्र ही अपेक्षित क्रासिंग प्रदान कर दिए जायेंगे । इस प्रयोजन के लिए कोई समय सीमा बताना व्यवहार्य नहीं है ।

Distribution of imported edible oils through Public Distribution System

1189. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) the quantity of edible oils proposed to be imported for distribution in 1987;

(b) the measures being taken to ensure that all the imported oils are distributed to the consumers through the Public Distribution System; and

(c) whether Government propose to exercise strict control and supervision over the distribution of the imported edible oils through the Public Distribution System?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) The quantum of edible oils to be imported is decided by the Government from time to time keeping in view the availability of indigenous edible oils, availability of foreign exchange and other related factors.

(b) and (c) The Central Government makes an allocation of imported edible oils to States|UTs for distribution through Public Distribution System. The further distribution is the responsibility of the State Governments. The State Governments have been advised to streamline and energise the Public Distribution System to ensure that imported edible oils actually reach the consumer through fair price shops for whom it is meant, and to take up regular checking both planned and by surprise, of the shops by various functionaries of the Civil Supplies Department to reduce malpractices. They have also been advised to set up 'Consumer Advisory Committee for fair price shops at the local levels consisting of representatives of card holders, social workers etc.

कृषि उत्पादन

1190. **श्री राधाकिशन मालवीय** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1983-84 से 1985-86 तक पिछले तीन वर्षों के दौरान वर्षवार कृषि उत्पादन कितना था ;

(ख) क्या यह सच है कि वर्ष 1983-84 में देश में कृषि उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित किया था और अब प्रति वर्ष उत्पादन कम हो रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो कृषि उत्पादन में कमी आने के क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना): (क) 1985-86 को समाप्त होने वाले गत तीन वर्षों के दौरान देश में मुख्य फसलों का उत्पादन तथा कृषि फसल उत्पादन का सूचकांक संलग्न विवरण में दिया गया है । **(नीचे देखिए)**

(ख) जी नहीं । वर्ष 1985-86 के दौरान देश ने कृषि उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित किया था, जबकि सूचकांक 1983-84 में 156.4 की तुलना में अब तक के सर्वोच्च 158.0 पर पहुंच गया ।

(ग) प्रश्न ही नहीं होता ।